बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्रीज के वार्षिक समारोह में बिहार के महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द का संबोधन
दिनांक–29.12.2016, समय–अप॰ 05:00 बजे, स्थान–पटना)

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्रीज के वार्षिक समारोह में प्रमुख रूप से उपस्थित राज्य के उद्योग मंत्री श्री जय कुमार सिंह जी, चैम्बर के अध्यक्ष श्री ओ॰पी॰ शाह जी, उपाध्यक्ष श्री एम॰एन॰ बरेरिया जी, उपाध्यक्ष श्री ओ॰पी॰ टिबरेवाल जी, मानद कोषाध्यक्ष डॉ॰ रमेश गाँधीजी, महासचिव श्री शशि मोहन जी, चैम्बर के नव–निर्वाचित अध्यक्ष श्री पी॰के॰ अग्रवाल जी, नव–निर्वाचित उपाध्यक्ष श्री एन॰के॰ ठाकुर जी, नव–निर्वाचित उपाध्यक्ष श्री मुकेश जैन जी, निर्वाचित मानद कोषाध्यक्ष श्री विशाल टेकरीवाल जी, कार्यक्रम में उपस्थित राज्य के प्रमुख उद्योगपतिगण, व्यवसायीगण, मीडिया–प्रतिनिधिगण, देवियों एवं सज्जनों!!

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के इस वार्षिक समारोह में उपस्थित होकर मुझे हार्दिक प्रसन्ता हो रही है। आज के इस कार्यक्रम के पूर्व भी मैं बिहार चैम्बर के कई कार्यक्रमों में सम्मिलित हुआ हूँ। अतः मैं चैम्बर के गौरवमय इतिहास एवं कार्यकलापों से पूर्व परिचित हूँ।

प्राचीनकाल से ही भारत के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में व्यापारी वर्ग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। ऐतिहासिक साक्ष्य इस बात के गवाह हैं कि सिन्धु घाटी सभ्यता (2300 ईसा पूर्व के आस–पास)

की विख्यात सम्पन्नता तथा शहरी विकास को गति वाणिज्यिक कार्यकलापों से ही मिली थी। मौर्य साम्राज्य (ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी) तक आते–आते, व्यापारियों एवं कारीगरों के व्यवस्थित संघ उभर कर सामने आए, जिनका प्रभाव साम्राज्य के छिन्न–भिन्न होने के पश्चात्, पाँच या छः शताब्दियों (200 ईसा पूर्व से 300 ई॰) के दौरान, अपने चरमोत्कर्ष पर था। ये संघ स्वशासित–इकाइयाँ थी, जिन्होंने ऐसे नियमों व आचार– संहिताओं की स्थापना की, जिनमें न केवल व्यापारियों और कारीगरों के, बल्कि ग्राहकों के हितों की सुरक्षा भी सन्निहित थी। कई मायनों में दरअसल ये ही वर्त्तमान 'चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स' के अग्रदूत थे।

आप सभी अवगत हैं कि 'बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज' राज्य की उद्योग एवं व्यापार से संबंधित सबसे पुरानी एवं शीर्ष संस्था है। 1926 में इस संस्था का पंजीकरण 'भारतीय कंपनीज एक्ट' के अन्तगर्त हुआ तथा उस समय इसका नाम ''बिहार एवं उड़ीसा चैम्बर ऑफ कॉमर्स'' रखा गया।

चैम्बर की स्थापना का मुख्य कारण सन् 1925 में हुए 'रूपया–स्टर्लिंग विवाद' था, जिसके कारण उस समय का भारतीय व्यापारी वर्ग बुरी तरह से त्रस्त हो रहा था। तब व्यापारी वर्ग ने संगठित होने की आवश्यकता को समझा, जिसके फलस्वरूप चैम्बर के गठन को मूर्त्त रूप प्रदान किया गया।

चैम्बर के नब्बे वर्षो का इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि इस संस्था ने न केवल राष्ट्रीय आर्थिक लक्ष्यों की प्राप्ति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है, वरन् बिहार के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास में उत्प्रेरक की भूमिका भी बखूबी निभायी है।

मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि वस्तुतः चैम्बर एक गतिशील सेवा–संगठन है, जो उद्योग और वाणिज्य के भिन्न–भिन्न धरातलों पर राज्यों में विकास की अपनी प्रमुख भूमिका निभाता है और यह सुनिश्चित करता है कि व्यापारियों की आवाज गंभीरतापूर्वक सुनी जाये और उनके विचारों को राज्य की आर्थिक नीतियों के निर्माण में शामिल किया जाए।

चैम्बर सरकारों के लिए, आर्थिक क्षेत्र में उत्प्रेरक का कार्य करता है, ताकि सामाजिक और आर्थिक सुधार में प्रगति हो और रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो। यह संस्था तर्कसंगत आधार पर प्रभावशाली योजनाओं के निर्माण में विश्वास करती है। चैम्बर इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु, सरकार तथा उद्योग और व्यापार की अन्य प्रतिनिधि संस्थाओं एवं संबंधित लोगों से घनिष्ठ संबंध रखता है।

चैम्बर उत्पादन के उचित स्तर तथा समुचित प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने हेतु प्रयत्नशील रहता है, ताकि अधिकतम सामाजिक कल्याण की उपलब्धि हो सके और स्वस्थ व्यवसायिक प्रतिद्वन्द्विता एवं निर्यात का वातावरण सुनिश्चित हो सके। यह संगठन वैज्ञानिक शोध की

नई पद्धतियों, आयात–प्रतिस्थापन, निर्यात–सम्वर्द्धन और राज्य एवं राष्ट्रीय संसाधनों के अधिकतम प्रयोग का प्रबल समर्थक है। यह संस्था आर्थिक विकास की राष्ट्रीय नीति में विश्वास रखती है तथा यह मानती है कि राज्य की विकासशील अर्थव्यवस्था, सरकारी एवं निजी क्षेत्रों को उद्योगों के विकास के लिए पर्याप्त क्षेत्र उपलब्ध कराती है।

मुझे यह देखकर खुशी होती है कि प्राकृतिक आपदाओं के समय नागरिक सहायता हेतु राहत के कार्यक्रमों में भी चैम्बर की बराबर अग्रणी भूमिका रहती है।

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज का गौरवमय इतिहास रहा है। इसी वर्ष विगत 9 सितम्बर को चैम्बर ने अपनी '90वीं वर्षगांठ' मनाई, जिसका उद्घाटन भारत के उप–राष्ट्रपति माननीय मोहम्मद हामिद अंसारी जी ने किया। इस कार्यक्रम में मैं स्वयं भी सम्मिलित हुआ था। चैम्बर की सेवाओं के आलोक में भारत सरकार ने 28 अक्टूबर 2002 को 'बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स' पर डाक–टिकट जारी कर चैम्बर को राजकीय सम्मान दिया। बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स देश का प्रथम राज्यस्तरीय चैम्बर था, जिसे यह सम्मान प्रदान किया गया।

बिहार चैम्बर की 90 वर्षों की सफल और सार्थक विकास–यात्रा पर जब समेकित रूप से मैं विचार करता हूँ, तो मुझे लगता है कि मौजूदा परिस्थितियों में इसकी भूमिका और अधिक व्यापक और प्रासंगिक हो गई है। बिहार राज्य, जिसकी अर्थव्यवस्था मूल रूप से

कृषि पर आधारित है, यहाँ खाद्य–प्रसंस्करणों पर आधारित उद्योग–धंधो का विकास निहायत जरूरी है। बिहार चैम्बर इस दिशा में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मित्रों, देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए आज कई गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं। नोटबंदी, जिसे अर्थशास्त्र की भाषा में 'विमुद्रीकरण' कहा जाता है, इनमें प्रमुख है। भ्रष्टाचार, कालाधन और आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण पाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार ने यह कार्रवाई की है। कालाधन और भ्रष्टाचार की समस्या से भारत का हरेक वर्ग बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जिससे मुक्ति की दिशा में 'विमुद्रीकरण' एक सार्थक प्रयास है। इससे समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को तो राहत मिलेगी ही, वित्तीय एवं व्यापारिक गतिविधियों में आने वाली पारदर्शिता से उद्योग और व्यापार–जगत् भी लाभान्वित होगा। बिहार के मुख्यमंत्री ने भी इस कदम की सराहना की है। मुझे विश्वास है कि बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स भी अर्थव्यवस्था में मजबूती के लिए उठाये गये इस सकारात्मक कदम को भरपूर समर्थन प्रदान करेगा।

मैं चैम्बर से जुड़े संगठनों और सदस्यों से आज के पावन अवसर पर यह अनुरोध करना चाहूँगा कि आप सभी पूरी गंभीरता से बिहार के औद्योगिक विकास हेतु एक सार्थक रोड–मैप तैयार कर उसे सरकार के समक्ष प्रस्तुत करें। राज्य में औद्योगिक निवेश हेतु राज्य सरकार ने अपनी प्रोत्साहन नीति तैयार की है, उसमें भी समय–समय

पर आवश्यकताओं के अनुरूप जो भी परिमार्जन आवश्यक हो, उनके प्रति आपको सरकार का ध्यान आकृष्ट करते रहना चाहिए। मुझे विश्वास है, आप सबका पूरा सहयोग राज्य और केन्द्र सरकार को प्राप्त होगा तथा बिहार एक विकसित और समृद्ध प्रदेश के रूप में भारत के मानचित्र पर उभरेगा।

नया वर्ष शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। नववर्ष हम सबके लिए सुखमय, समृद्धिमय और शांतिमय सिद्ध हो, यह मेरी मंगलकामना है। आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद!

जय हिन्द!!

***

प्रस्तुति–जन–सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना।